Presentation on Coal and Related GST Issues in Uttar Pradesh

लोहा, ताॅबा, सोना आदि धातुओं के निर्माण में ईंधन के रूप में कोयले का सदैव से प्रयोग होता रहा है। ईधन के रूप में कोयले पर आधारित प्राचीन भारतीय मेटलर्जी साइन्स का सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण कुतुबमिनार मेहरौली के प्रांगण में मौर्य कालीन लोहे का स्तम्भ 1600 वर्षों से बिना जंग लगे खड़ा है। कोयला एक ठोस कार्बनिक पदार्थ है, जिसको ईंधन के रूप में प्रयोग में लाया जाता है। औद्योगिक क्रान्ति के बाद कोयले का अतिशय उपयोग बिजली एवं उर्जा उत्पादन में होने लगा। कुल प्रयुक्त उर्जा का 35 प्रति0 से 40 प्रति0 भाग कोयले से प्राप्त होता है। भारतवर्ष मंे प्राचीन काल से ही मेटलर्जी के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान रहा भारत में बिटुमिनस प्रकार का कोयला सर्वाधिक पाया जाता है भारत में कोयला की खदानें अधिकतर झारखण्ड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, छत्तीगढ़ एवं मध्यप्रदेश में है। कोयले के उपयोग एवं महत्व के कारण ही कोयले को काला हीरा (ठसंबा कपंउवदक) कहा जाता है।

The ranking depends on the types and amounts of carbon the coal contains and on the amount of heat energy t he coal can produce.

कोयला के चार परकार

Sl no.	Type of coal	Carbon content
1	Anthracitesd	80-90%
2	Bituminous	60-80%
3	Lignite	40-60%
4	Peat	Less than 40%

Coal Production in India

Energy stastistics 2022 के अनुसार भारत वर्ष में विश्व का चैथा बड़ा कोल रिजर्व है। 01 अप्रैल,2021 को भारतवर्ष में कुल 352.13 बिलियन मीट्रिक टन कोयले का रिजर्व है। कोयला उत्पादन के इतिहास में भारतवर्ष में सर्वाधिक कोयले का उत्पादन 893.08 मिलियन मीट्रिक टन वित्तीय वर्ष 2022-2023 में हुआ है। ।े चमत जीम छंजपवदंस प्दअमजवतल वित प्दकपंद ब्वंस ंदक स्पहदपजम त्मेवनतबमे ंे वद 01ण्04ण्2022 के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य में कुल मेजर्ड कोल रिजर्व 884.04 मिलियन मीट्रिक टन है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022-23 में कुल कोयले का उत्पादन 10.80 मिलियन मिट्रिक टन हुआ है।

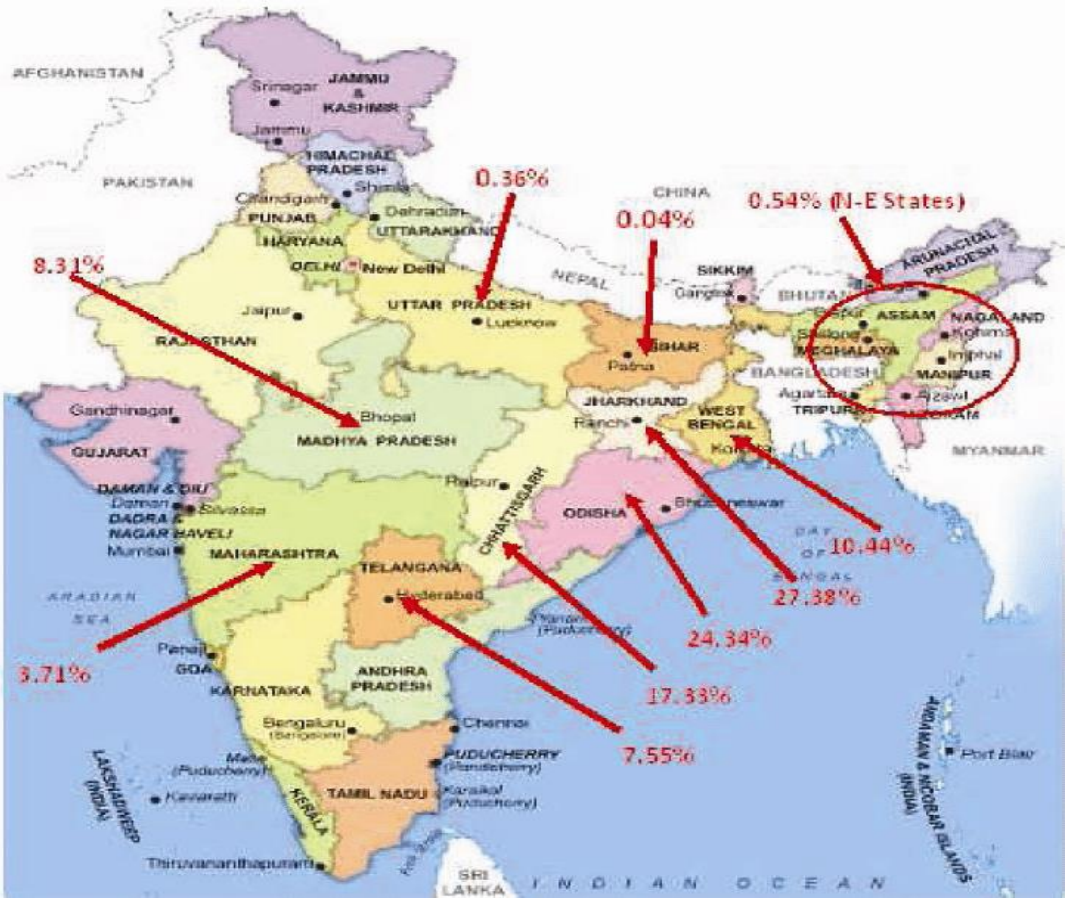

Details of coal supply, imports and consumption in the country for the last five years are as under:

[Figures in Million Tonnes (MT)]

Year	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
Total Consumption / Demand (a+b)	898.25	968.14	955.72	906.13	1027.92
Total Import form outside india (b)	208.25	235.35	248.54	215.25	208.93
Total Domestic coal production (a)	690.00	732.79	707.18	690.88	818.99

The 5 major overseas supplier countries of coal are Indonesia, Australia, South Africa, USA & Russia.

Coal mining process

The mines Act 1952 defines mine. It is observed that mine has been given very wide meaning under this act. It covers all the facilities required in the process of obtaining minerals by removing it from pit. Various activities like washing, processing etc., are carried out to remove the impurities from the extracted material so that the mineral become useful.
Process of mining in Northern Coalfields Limited(NCL), Sonbhadra is as follows…

COAL MINING MATHODS

1.Surface mining : In surface mining, the ground covering the coal seam (the overburden) is first removed to expose the coal seam for extraction. The elements of a surface mining operation are :
(1) Topsoil removal and storage for later use
(2) Drilling and blasting the strata overlying the coal seam
(3) Loading and transporting this fragmented overburden material (called spoil)
(4) Drilling and blasting the coal seam
(5) Loading and transporting the coal
(6) Backfilling with spoil and grading
(7) Spreading top soil over the graded area
(8) Establishing vegetation and ensuring control of soil erosion and water quality
(9) Releasing the area for other purposes

Processes in coal preparation
1. Crushing and breaking
2. Screening into different size fractions
3. Density Separation
4. Dewatering
5. Storage and stockpiling
6. Refuse and tailing management
7. Transportation

Input services in coal mines for coal production
1. Surface Drilling
2. Blasting
3. Mineral assaying
4. Under ground mining
5. Exploration Drilling
6. Loading and hauling services
7. project management services include analysis, consulting, contracting, and full management of development projects

8. Mine engineering services consist of open pit mine design, underground mine design, mine planning, capital cost estimating, and operating cost estimating.
9. Transportation Services

Important Law points and Court decisions
The Hon. supreme court in the case of CCE and ST vs. Singh Transporter's (2017) has held that transportation of goods from pit head to railway siding would fall within the definition of transportation of goods by road and not under mining services. Hence service would be classified under GTA only.

Under section 12(3) of IGST Act the place of supply of above services will be the place where the mines are located.

Mining Rights- Value of granting of mining right is the royalty payable by the right holder to government. Royalty is fixed amount per unit which may be per MT. The value of royalty depends upon the quantum of minerals extracted from mine.

Tax paid on any input, input services and capital goods by holder of mining right will be available as credit because of his output supply is minerals.

Details of Coal Royalty to States
Posted On: 05 APR 2023 5:10PM by PIB Delhi
Royalty is paid directly by coal companies to the concerned coal bearing States. Central government has no role in collection of royalty. As per the data presently available, year wise royalty paid by coal companies to states during the last 3 years State-wise is as follows:

Royalty Paid by Coal Companies to the States (In Crores Rupees)

	2019-20	**2020-21**	**2021-22**
Chhattisgarh	2350.21	2292.88	2386.29
Jharkhand	3211.03	2879.95	3623.49
Odisha	2139.45	1519.31	2700.21

Madhya Pradesh	2069.38	3199.42	2709.77
Maharashtra	1198.8	1153.85	1753.34
Telangana	1537.36	1429.74	250
West Bengal	18.96	12.64	15.96
Assam	31.34	5.89	0
Uttar Pradesh	406.39	638.23	475.25
Total	**12962.92**	**13131.91**	**13914.31**

This information was given by Union Minister of Coal, Mines and Parliamentary Affairs Shri Pralhad Joshi in a written reply in Lok Sabha today.

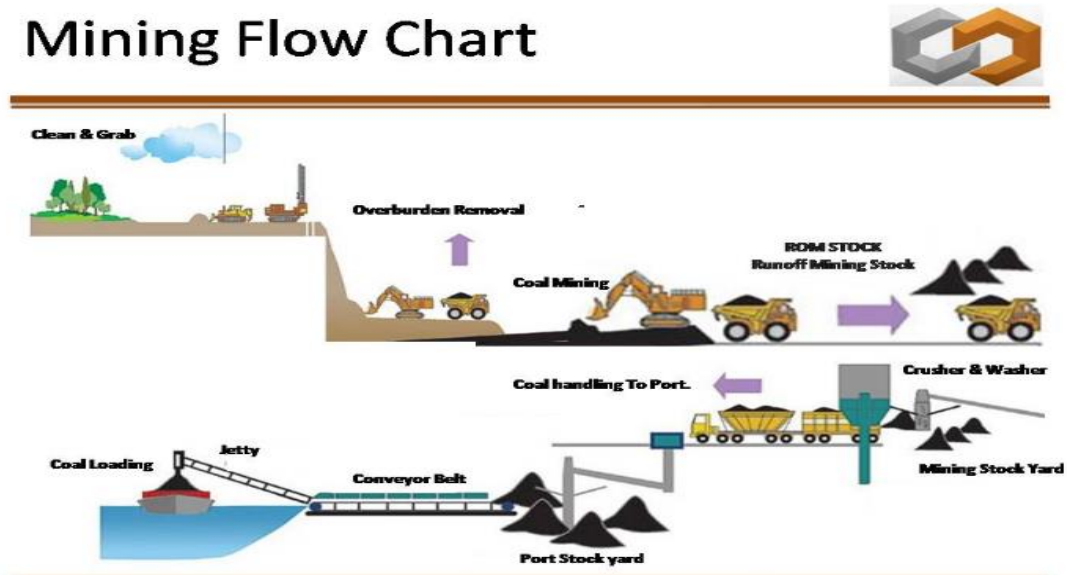

Coal production in Utter Pradesh

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में नार्दन कोल फील्डस लिमिटेड ;छब्ब्द्ध की 05 खदानें हैंः-

1.बीना 2.दुद्वीचुआ 3.काकरी 4.खड़िया 5.कृष्णशीला

PRODUCTION DATA FOR F. Y. 2021-22 & 23(Q-1)

OF UP PROJECTS OF NCL

	Production Qty(In Tonne)		
Project	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24(Q-1)**
Bina		1,050,000.00	
Dudhichua			
Kakari	2,413,642.00	2,258,686.00	635,204.00
Khadia			
Krishnashilla	7,000,000.00	7,500,000.00	2,156,439.00
Total	**9,413,642.00**	**10,808,686.00**	**2,791,643.00**

वर्ष 2022-2023 में भारतवर्ष में कोयले का उत्पादन 893.08 मिलियन मीट्रिक टन हुआ है एवं उत्तर प्रदेश में वर्ष 2022-23 कोयले का उत्पादन 10.80 मिलियन मीट्रिक टन हुआ है जो सम्पूर्ण भारत के उत्पादन 1.20 प्रति0 है।

Use of coals in difference in sectors

कोयले का उपयोग विभिन्न सेक्टर्स में किया जाता है। कोयले के कुल उत्पादन का 68 प्रति0 उपभोग इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन, 7 प्रति0 स्टील मैन्यूफैक्चरिंग 4 प्रति0 सीमेण्ट इण्डस्ट्रीज, 3 प्रति0 हीटिंग इण्डस्ट्रीज एवं 18 प्रति0 अन्य प्रयोगों लाया जाता है।

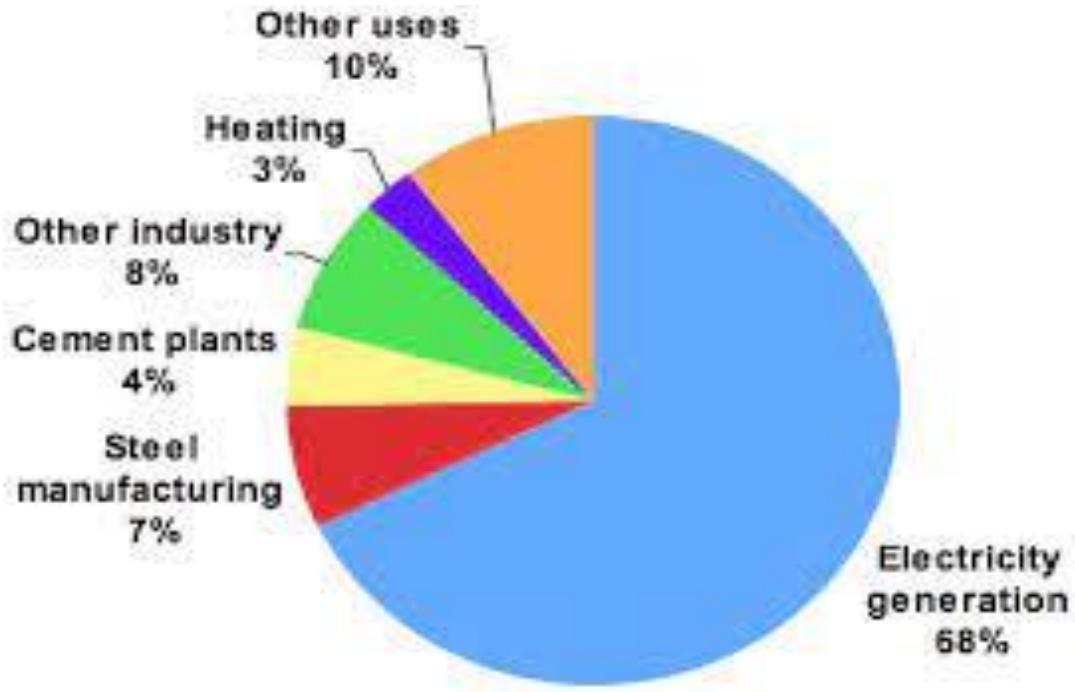

Inward supply of coal from out side of Utter Pradesh

उत्तर प्रदेश के उद्योगों में प्रयुक्त होने वाले कोयले का आयात रोड एवं रेलवे के माध्यम से भारत के अन्य राज्यों जैसे झारखण्ड, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर पूर्वी राज्यों से भी होता है। मुख्य रूप से झारखण्ड से उत्तर प्रदेश में कोयले की इनवर्ड सप्लाई होती है। इसके अतिरिक्त पश्चिम बंगाल,असम,छतीसगढ़ तथा अन्य राज्यों से विभिन्न ग्रेड के कोयले की प्रान्त अन्दर आपूर्ति प्राप्त की जाती है।

Ex UP inward Supply through EWB F.Y. 2022-23

Sl no.	Zone	Total Dealer	Total EWB	Assessable Value amount in Cr.
1	Agra	123	501	22.3
2	Aligarh	499	1364	56.86
3	Ayodhya	4256	12641	427.5
4	Bareilly	1334	5987	1182.9
5	Corporate Circle, HO Lucknow	16	129	8.67
6	Etawah	1253	2659	63.53
7	Gautambudha Nagar	168	13387	553.6
8	Ghaziabad I	418	2138	77.26
9	Ghaziabad II	221	4612	240.18
10	Gorakhpur	6022	26841	1079.3
11	Jhansi	119	9347	1580.38
12	Kanpur I	564	2203	67.4
13	Kanpur II	505	5278	483.05
14	Lucknow I	1113	11621	1390.37
15	Lucknow II	770	3017	6966.69

16	Meerut	1040	5141	296.48
17	Moradabad	1734	6212	470.1
18	Prayagraj	2259	7656	906.99
19	Saharanpur	949	7375	290.43
20	Varanasi I	4117	80965	1829.38
21	Varanasi II	6459	57287	1163.51
Total		**33939**	**266361**	**19156.88**

Mode of evasion in coal

कोयला विनिर्माण उद्योग जैसे आयरन स्टील, सीमेण्ट, काॅंच आदि का मुख्य ईंधन है। इसलिए निर्माताओं द्वारा अपने उत्पादन को छिपाने के लिए कोयले की खरीद को मैनुपुलेट किये जाने की प्रैक्टिस पायी जाती है, जिसके कारण कोयला टैक्स के दृष्टिकोण से एक संवेदनशील वस्तु माना गया है।

1-Tax Evasion by under valuation

(ए) कोयले में करापवंचन का मुख्य तरीका कोयले के वास्तिवक मूल्य का नदकमत अंसनंजपवद करके जंग प्दअवपबम जारी करना है। ब्वंस प्दकपं द्वारा कोल की क्वालिटी के आधार पर छवद बवापदह बवंस की 17 ळतंकमे में बसंेपलि किया गया है। (ळ1.ळ17) । 30.05.2023 से ळतंकम.1 से लेकर ळतंकम.17 तक का छवजपपिमक चतपबम;कोयले का वह मूल्य जिस पर थर्मल स्टेशन को सप्लाई किया जाता है।द्ध रु0 3560.00 से लेकर रु0 457.00 प्रति मीट्रिक टन घोषित किया गया है। इसके अतिरिक्त एक थ्सववत चतपबम होता है, जिस मूल्य पर अन्य उद्योगों को कोयला दिया जाता है वह छवजपपिमक चतपबम से 30 प्रति0 से 40 प्रति0 ज्यादा होता है। कोयले की घोषित मूल्य में भाड़ा जोड.कर प्रान्त अन्दर कोयले का मूल्य निर्धारित होता है। सामान्यतः उत्तर प्रदेश के लिए कोयले के मूल्य का 35 प्रति0 से लेकर100 प्रति0 तक भाड़ा होता है। कोयले के मूल्य नि र्धारण में शामिल इन्हीं तकनीकी बिन्दुओं का फायदा उठाकर मनमानी मूल्य घोषित कर करापवंचन किया जाता है।

(बी) सामान्यतः सभी कोयला एक जैसे दिखने के कारण अच्छे ळतंकम के कोयले को कम ळतंकम का कोयला जंग प्दअवपबम में दिखाते हुए कोयले का नदकमत अंसनंजपवद करते हुए करापवंचन किया जाता है।

2. मूल्य के आधार पर आपूर्तिकर्ता फर्म द्वारा ई-वे बिल जारी करने की अनिवार्यता से बचने के लिये माल का मूल्य कम घोषित करते हुये रु0 50000.00 से कम मूल्य का बिल जारी किया जाता है। अतः रू0 50000.00 से कम मूल्य के माल के लिए ई0वे बिल जारी किये जाने की अनिर्वायता नहीं होने के कारण लेखों से बाहर इनवर्ड आउटवर्ड आपूर्ति करते हुए करापवंचन किया जाता है।

3.उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम 2017 के धारा 15(2);ब्द्ध के अनुसार ‘‘किसी पूर्ति के प्राप्तिकर्ता से पूर्तिकार द्वारा प्रभारित आनुषंगिक व्यय, जिसके अन्तर्गत कमीशन और पैकिंग भी है और माल या सेवाएं की पूर्ति के समय या उसके पूर्व माल या सेवाओं या दोनों के सम्बन्ध में पूर्तिकार द्वारा की गयी किसी बात के लिए प्रभारित कोई रकम’’ माल के मूल्य सम्मिलित की जाएगी। कोयला के करापवंचक व्यापारी माल की कीमत में आपूर्ति प्राप्त करने में प्रयुक्त भाड़ा व

अन्य खर्चे की धनराशि को अपने सम्व्यवहार में घोषित नहीं करते है। अतः लागत से भी कम मूल्य में बिक्री घोषित करते हुए करापवंचन किया जाता है।

4ण्प्रयोग के आधार पर निर्माता इकाईयों द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ;छब्स्ए ठब्स्ए ब्ब्स्ए म्ब्स्द्ध द्वारा रियायती मूल्य पर विनिर्माण हेतु कोयला प्राप्त किया जाता है, परन्तु उक्त कोयले को विनिर्माण में प्रयोग न करके बाजारों में अपवंचित बिक्री की जाती है।

5.बोगस पंजीयन प्राप्त कर बिना माल के वास्तविक परिवहन किये ळैज्त्.1 फाईल कर केवल बोगस आई0टी0सी0 पासआॅन किया जाता है।

6. बोगस पंजीयन प्राप्त कर केवल माल का अपवंचित परिवहन किया जाता है। ऐसे मामलों में बोगस फर्म द्वारा ळैज्त्.1 एवं ळैज्त्.3ठ1 शून्य का फाईल किया जात।

Check points to contain evasion

A. Check points for Mobile squads and SIB

1.कोयले की क्वालिटी या ग्रेड का केमिकल लैब से परीक्षण कराते हुए टैक्स इन्वाइस में घोषित माल के मूल्य की तुलना प्रचलित बाजार भाव से करते हुए अवमूल्यन की जाॅच करना अपेक्षित है।

2.प्रवर्तन इकाईयों द्वारा नियमित रूप से सघन जाॅच करते हुए रु0 50000.00 मूल्य से कम बिलों का संकलन करना एवं उसके आधार पर सम्बन्धित खण्ड के अधिकारियों द्वारा जाॅच आवश्यक है।

3. प्रवर्तन इकाई द्वारा प्राप्त की गयी बिल्टी पर लिखे हुए भाड़े का सत्यापन सप्लायर्स फर्मस के व्यापार स्थल की वास्तिविक दूरी के आधार पर कराना।

4.प्रवर्तन इकाई द्वारा कोयले के परिवहन करने वाले वाहनों की सघन जांच एवं उससे प्राप्त इनपुट के आधार पर व्यापार स्थलों की जांच कराना।

5. रेलवे विभाग से सूचना संकलन करते हुए रेलवे रैक के माध्यम से परिवहित कोयले की प्रान्त अन्दर रैक साइड़िंग प्वाइण्ट्स से रोड ट्रान्सपोर्टेशन के माध्यम से सप्लाई हो रहे कोयले की ई-वे बिल एवं प्राॅपर इन्वाईस जारी किये जाने की जाॅच सचलदल इकाईयों एवं वि0अनु0शा0 इकाईयों द्वारा जाॅच किया जाना आवश्यक है।

6. इसके अतिरिक्त डिजिटल तकनीक पर आधारित ऐप-एम परिवहन, त्थ्क्ए म्. ूंल ठपसस ज्तंबापदह ैलेजमउ एवं ज्वसस त्मचवतज के आधार पर जाॅच आवश्यक है।